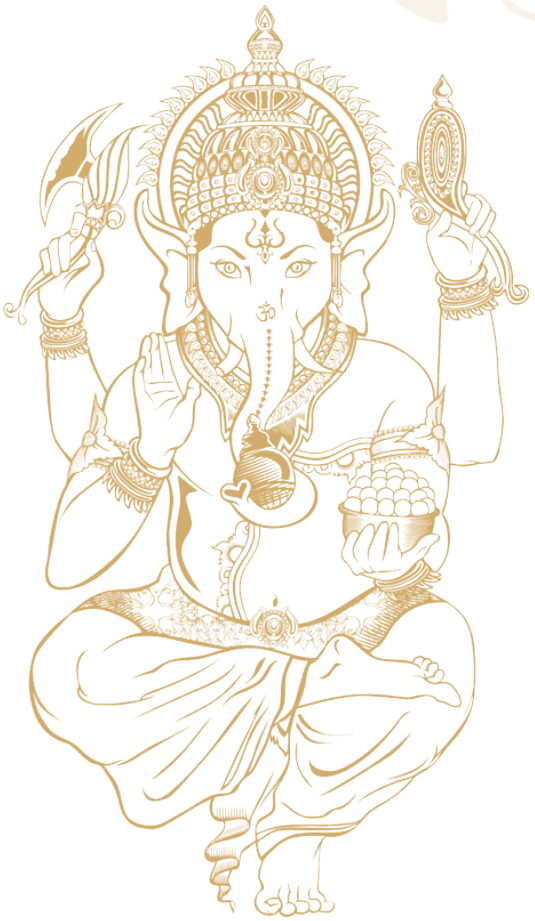

Ms.s

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120960521

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/10/1996	जन्म तिथि	13-14/07/1999
बुधवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 09:30:00	जन्म समय	04:10:00 घंटे
घटी 08:56:37	जन्म समय(घटी)	57:14:35 घटी
India	देश	India
Gonda	स्थान	Delhi
27:08:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
81:58:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:02:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:55:21	सूर्योदय	05:31:53
17:48:16	सूर्यास्त	19:21:24
23:48:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:50

विंशोत्तरी चन्द्र 3वर्ष 3मा 4दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शनि 11वर्ष 4मा 6दि
गुरु	01:26:40	वृश्चि	लग्न	मिथु	08:14:11	बुध
06/01/2025	15:25:31	कन्या	सूर्य	मिथु	27:14:36	18/11/2010
06/01/2041	18:58:58	वृष	चंद्र	कर्क	08:42:05	19/11/2027
गुरु 24/02/2027	19:53:55	कर्क	मंगल	तुला	09:21:12	बुध 16/04/2013
शनि 06/09/2029	27:37:03	सिंह	बुध व	कर्क	15:36:22	केतु 13/04/2014
बुध 13/12/2031	15:16:36	धनु	गुरु	मेष	08:22:07	शुक्र 11/02/2017
केतु 18/11/2032	03:54:44	सिंह	शुक्र	सिंह	06:50:19	सूर्य 19/12/2017
शुक्र 20/07/2035	09:44:10	मीन व	शनि	मेष	21:27:35	चन्द्र 20/05/2019
सूर्य 07/05/2036	14:11:03	कन्या	राहु व	कर्क	19:08:53	मंगल 16/05/2020
चन्द्र 06/09/2037	14:11:03	मीन	केतु व	मक	19:08:53	राहु 04/12/2022
मंगल 13/08/2038	06:51:20	मक व	हर्ष व	मक	21:55:06	गुरु 11/03/2025
राहु 06/01/2041	01:10:12	मक व	नेप व	मक	09:27:46	शनि 19/11/2027
	07:16:30	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:13:44	

लग्न-चलित

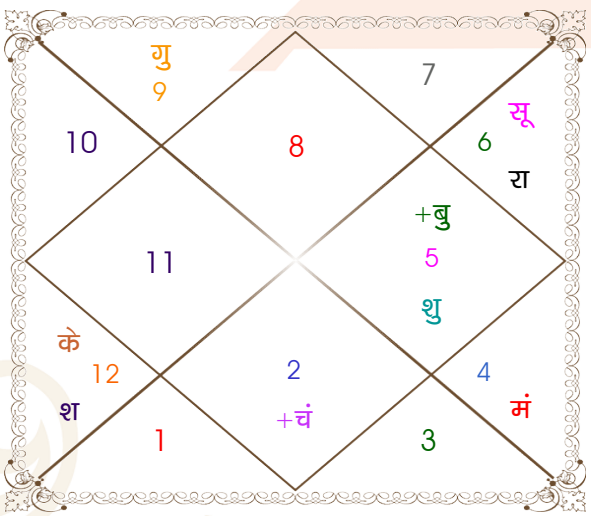

लग्न-चलित

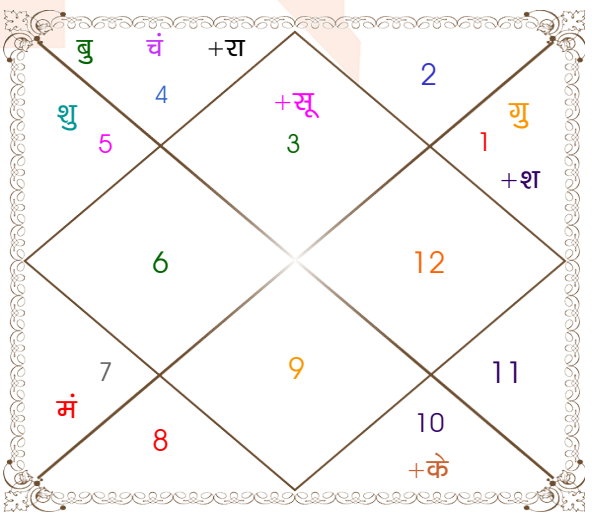

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms.s का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms.s का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms.s मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms.s में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।